राष्ट्रदूत उदयपुर, 23 मार्च, 2015

प्रो. स्मिथ को कर्नल टॉड व पाण्डे को हल्दीघाटी सम्मान दिया

उदयपुर, (कासं)। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन द्वारा यहां रविवार को सिटी पैलेस के माणक चौक में आयोजित 33 वें सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 135 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इन प्रतिभाओं में राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय स्तर की राज्य स्तरीय प्रतिभाएं भी शामिल हैं।

इस अवसर पर फाउण्डेशन के अध्यक्ष अरविन्द सिंह मेवाड़ ने कहा कि

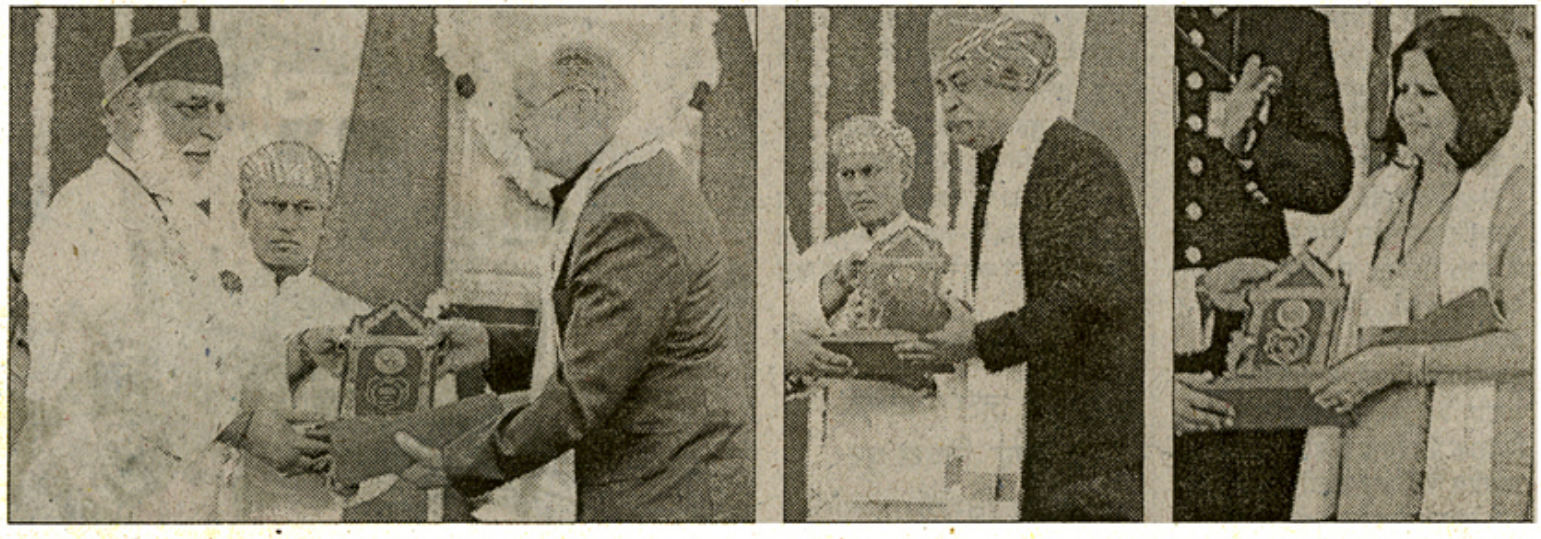

उदयपुर के मेवाड़ सम्मान समारोह में अरविन्द सिंह मेवाड़ ने प्रो. जॉन डी स्मिथ, पीयूष पाण्डे व वृंदा ग्रोवर को सम्मानित किया।

- मेवाड़ फाउण्डेशन ने किया 135 प्रतिभाओं का सम्मान
- परम्पररााओं को जीवित रखने के लिए प्रतिबद्ध :सिंह
- झालावाड के सरोला थाना को सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाना सम्मान

अपने पूर्वजों द्वारा आरंभ की गई। परम्पररााओं को जीवित रखने के लिए प्रतिबद्ध है। सम्मान समारोह का उद्देश्य बताते हुए उन्होंने कहा कि महाराणा शंभू सिंह द्वारा सन् 1866 में महिला उत्थान को दृष्टिगत करते हुए जगदीश चौक के समीप कन्या विद्यालय की स्थापना की गई थी डेढ़ शताब्दी गुजरने के उपरान्त भी वह पाठशाला आज भी संचालित है जिसका जीर्णोद्धार कराकर ट्रस्ट ने परम्परा का निर्वहन किया है। उन्होंने कहा कि फाउण्डेशन का यह महोत्सव गुरू-शिष्य की पावन परंपरा को निरंतरता प्रदान करने के लिए हर वर्ष आयोजन किया जाता है। यहां मनुजता की महिमा के मनीषियों का सम्मान कर फाउण्डेशन स्वयं सम्मानित होता है। समारोह के अध्यक्ष राष्ट्रकवि बालकवि बैरागी ने कहा कि पूरे विश्व से मनीषियों को तलाशना एवं उन्हें इतने सहज और अनुशासित तरीके से सम्मान प्रदान करना फाउण्डेशन का एक ऐतिहासिक काम है। फाउण्डेशन के प्रवक्ता कवि पंडित नरेन्द्र मिश्र ने फाउण्डेशन के विभिन्न कार्यकलापों की जानकारी दी एवं मेवाड़ के ऐतिहासिक गौरवमयी इतिहास पर कविता की पंक्तियां भी पढ़ी। समारोह में लन्दन स्थित केम्ब्रिज युनिवरसिटी में संस्कृत अध्यापन से शुरूआत करने वाले प्रो. जॉन डी. स्मिथ को कर्नल जेम्स टॉड अलंकरण, विज्ञापनों से सामाजिक क्रान्ति लाने वाले पियुष पाण्डे को हल्दीघाटी अलंकरण, मानवाधिकारों के लिए लड़ने वाली जानी मानी अधिवक्ता वृन्दा ग्रोवर को हकीम खाँ सूर अलंकरण, फोरेस्ट मेन ऑफ आसाम के नाम से मशहूर पद्मश्री जादव मुलाय पयांग को महाराणा उदयसिंह अलंकरण, थर्मेक्स लि. से सेवानिवृत्ता समाजसेवी पद्मश्री अनु आगा को पन्नाधाय अलंकरण से नवाजा गया।

फाउण्डेशन द्वारा राज्य स्तर पर दिये जाने वाले अलंकरणों के अन्तर्गत इस वर्ष महाराणा मेवाड़ सम्मान कृति भारती तथा श्याम सुन्दर पालीवाल को, महर्षि हारीत राशि सम्मान प्रो. ओम प्रकाश उपाध्याय एवं पं. गणपति लाल शर्मा को, महाराणा कुम्भा सम्मान नारायण लाल शर्मा तथा पद्मश्री डॉ. चन्द्र प्रकाश देवल, महाराणा सज्जनसिंह सम्मान कमलेश जांगिड़ को, डागर घराना सम्मान अमान अली खान एवं अयान अली खान को, राणा पूंजा सम्मान चुन्नी लाल गरासिया को, अरावली सम्मान नवनीत गौतम एवं सुश्री सुमित्रा शर्मा को, विशिष्ट अलंकरण डॉ. शैलेन्द्र मोहन को प्रदान किया गया। फाउण्डेशन द्वारा राज्य के सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाना का विशिष्ट सम्मान इस वर्ष झालावाड जिले के सरोला थाना को दिया गया। फाउण्डेशन द्वारा अलंकरण के तहत सम्मान राशि, तोरण, शॉल एवं प्रशस्तिपत्र भेंट किए गए। समारोह में महाराणा फतहसिंह अलंकरण के लिए वर्ष 2013-2014 के 72 प्रतिभाशाली विद्यार्थी व महाराणा राजसिंह अलंकरण के लिए श्रेष्ठ उपलब्धियों के लिए 10 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।

विभूतियां हुई गौरवान्वित : इस अवसर पर सम्मानित होने वाली विभूतियों में से हल्दीघाटी सम्मान प्राप्त पियूष पाण्डे ने कहा कि उन्हें अपनी मातृभूमि पर सम्मान मिलने से बेहद हर्ष है। कर्नल जेम्स टॉड अवार्ड से सम्मानित प्रो. जॉन डी स्मिथ संस्कृत भाषा तथा उसकी बारिकी पर शोध करने के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी। पन्नाधाय सम्मान से सम्मानित अनु आगा ने बालिका शिक्षा को महत्वपूर्ण बताते हुए इसे हर धर्म, हर व्यक्ति, हर नागरिक का दायित्व होना बताया। वहीं हकीम खां सूर अवार्ड से सम्मानित वृंदा ग्रोवर ने सामाजिक न्याय एवं घरेलू हिंसा तथा यौन शोषण पर अपने विचार व्यक्त किए। समारोह में देश-विदेश की हस्तियों सहित शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। समारोह का संचालन गोपाल सोनी एवं रूपा चक्रवर्ती ने किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।